श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 54, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार, 29 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

किसान बिलों के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, सैकड़ों हिरासत में

लखनऊ, जेएनएन। संसद में हाल ही पारित किए गए किसान बिलों के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर सोमवार को राजधानी में जगह-जगह पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। परिवर्तन चौक से राजभवन तक जीपीओ होते हुए हजारों कांग्रेस जमा होने की फिराक में थे मगर पुलिस ने सख्ती कर के उनको हजरतगंज के बाहर ही पकड़ कर कांशीराम ईको गार्डेन भेज दिया गया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह लल्लू भी इनमें शामिल रहे। लल्लू ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार दमनकारी नीति अपना रही है। लल्लू ने दावा किया करीब पांच हजार नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

दोपहर करीब 12 बजे कुछ कांग्रेसी परिवर्तन चौक के पास पहुंचे। जिनमें सेवादल के कार्यकर्ता थे। उनको पुलिस ने तत्काल हिरासत में लिया। ये सिलसिला दोपहर करीब दो बजे तक चलता रहा और अध्यक्ष लल्लू को भी पुलिस ने डिटेन किया। ईको गार्डेन में अजय कुमार लल्लू ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश में अराजकता का विरोध किया था। लल्लू ने कहा कि सरकार ने दमनकारी नीति अपनाई है। हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं को घरों से हिरासत में लेकर नजरबंद कर दिया गया। जिलों से भी ऐसे ही समाचार सामने आ रहे हैं। मगर कांग्रेस कार्यकर्ता अडिग हैं। वे किसानों के खिलाफ लाए गए काले कानूनों का विरोध करते रहें। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान ने बताया कि उनको घर से ही पुलिस दबोचना चाह रही थी मगर वे छत से कूद कर भाग गए। वे प्रदर्शन में शामिल हुए। कांग्रेस नेता आशीष अवस्थी के अलावा जिले और महानगर के सभी प्रमुख नेता प्रदर्शन में शामिल हुए।

हरदोई: केंद्र सरकार के विरोध में लखनऊ धरना प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका। सुबह से ही शुरू हुई धरपकड़। कई कांग्रेसी पुलिस को चमका देकर निकले। किसान अध्यादेश के विरोध में कांग्रेसियों ने 28 सितंबर को लखनऊ में धरना प्रदर्शन का ऐलान किया था। जिन्हें रोकने के लिए सुबह से ही फोर्स सतर्क हो गई। घरों से ही कांग्रेसियों उठा लिया गया। वहीं पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव सिंह को लखनऊ चुंगी पर पुलिस ने रोका। सभी को पुलिस लाइन ले जाया गया। जबकि जिलाध्यक्ष आशीष सिंह अपने साथियों समेत गायब हो गए उन्हें पुलिस खोजती रही। कांग्रेसियों का कहा है कि जिलाध्यक्ष लखनऊ पहुंच गए।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर सोमवार को लखनऊ में किसान विरोधी कानून का विरोध करने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने उनके घरों में ही कैद कर दिया। जिले में कई स्थानों पर कांग्रेस नेताओं-कार्यकताओं को रोका-टोका गया। पार्टी के कोषाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने रात में पहुंचकर मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया और घर से बाहर निकलने पर पूरी तरह से पाबंदी लगाते हुए घर के मुख्य द्वार पर पुलिस का पहरा लगा दिया गया। कांग्रेस द्वारा आमजन के मुद्दों को लेकर सदैव संघर्ष करती रही है। जिसकी आवाज को दबाने के लिए प्रदेश सरकार दमनकारी नीति पर उतर आई? है। पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष संदीप चौधरी ने कहा कि किसान विरोधी बिल को सरकार जबरन किसानों पर थोप रही है। जिसका विरोध कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक ढंग से कर रहीं हैं, लेकिन सरकार की नींदें उडी हुई हैं।

दुर्गा पूजा पर इस बार नहीं सजेंगे पंडाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपील

लखनऊ, जेएनएन। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते प्रसार ने त्यौहारों का रंग फीका कर दिया है। सरकार भी त्यौहारों पर उमड़ने वाली भीड़ को लेकर फूंक-फूंककर कदम रख रही है।

योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस बार दुर्गा पूजा को लेकर बड़ा फैसला किया है। सरकार का निर्णय है कि इस बार न तो पूजा के पंडाल सजेंगे और न ही कहीं पर भी मेला लगेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना के खतरे को देखते हुए राज्य में दुर्गा पूजा के सार्वजनिक आयोजन पर रोक रहेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुर्गा पूजा का आयोजन भी सार्वजनिक नहीं होगा बल्कि लोग अपने घरों में दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित कर पूजन-अर्चन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी सार्वजनिक आयोजन सड़कों या पांडालों में नहीं होगा। इस अवसर पर लोग अपने घरों में दुर्गा प्रतिमा की स्थापना कर सकते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी से अपील की है कि इस बार मां दुर्गा को अपने-अपने घर में स्थापित करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दशहरा पर रामलीलाओं के मंचन की पम्परा नहीं टूटेगी। उन्होंने कहा दुर्गा पूजा में होने वाले रामलीला का मंचन कुछ शर्तों और कोरोना गाइडलाइंस के अनुरूप होगा। इस दौरान रामलीला के मंचन के दौरान वहां पर सौ से अधिक दर्शक नहीं होंगे। इसके साथ ही कोविड-19 के संक्रमण के मद्देनजर रामलीला कमेटियों को फिजिकल डिस्टेसिंग का पालन सख्ती से करना होगा। इस दौरान हर जगह पर सैनेटाइजेशन, मास्क और हाथ धोने के निदेर्शों का सख्ती से अनुपालन होगा। न तो कोई जुलूस नहीं निकाला जाएगा और न ही कोई मेला लगेगा।

पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह समेत कई दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देशभर में आज स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह की जयंती मनाई जा रही है। रविवार को मन की बात कार्यक्रम में उनकी जयंती से एक दिन पहले याद किया था। पूरा देश आज उन्हें याद कर रहा है। पीएम मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई दिग्गजों ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध और पद्म श्री से सम्मनित कलाकार सुदर्शन पट्टनायक ने भी शहिद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने शहीद भगत सिंह की एक रेत की मूर्ति बनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जयंती के एक दिन पहले मन की बात कार्यक्रम में भहत सिंह को याद करते हुए कहा था कि 28 सितंबर को हम वीर भगत सिंह की जयंती मनाएंगे। ' मैं सभी देशवासियों के साथ वीरता की प्रतिमूर्ति शहीद वीर भगत सिंह को नमन करता हूं।

अब महंगा होने वाला है आपका टिकट ज्यादा किराया वसूलने की तैयारी में रेलवे

नई दिल्ली, प्रेट्र। रेल यात्रियों से 10 से 35 रुपये तक ज्यादा किराया वसूला जा सकता है। दरअसल रेलवे यह ज्यादा किराया इसलिए वसूल रहा है ताकि वह उस खर्च की भरपाई कर सके जो कुछ स्टेशनों के विकास और वहां अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर व्यय कर रहा है। यात्रियों से एकत्र की गई इस राशि से रेलवे कई और स्टेशनों का विकास और उनका आधुनिकीकरण करना चाहता है। सूत्रों ने बताया कि इस तरह के एक प्रस्ताव को रेलवे द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है और शीघ्र इसे मंजूरी के लिए कैबिनेट के पास भेजा जाएगा। सूत्रों ने इस अतिरिक्त किराये को यूजर चार्ज का नाम दिया है जो ट्रेन की अलग-अलग श्रेणी के लिए अलग-अलग होगा। यह 10 रुपये से लेकर 35 रुपये तक होगा। एसी फ?र्स्ट क्लास के यात्रियों से ज्यादा यूजर चार्ज लिया जाएगा। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यह अतिरिक्त किराया केवल उन यात्रियों से ही वसूला जाएगा जिनके रूट में वे स्टेशन आएंगे जिनका विकास किया जाना है। देश में इस समय 7000 रेलवे स्टेशन हैं। अतिरिक्त किराया करीब 700-1000 स्टेशन के यात्रियों से ही वसूला जाएगा। इस तरह यह पहला ऐसा शुल्क है जो रेल यात्रियों से लिया जाएगा। ऐसा शुल्क विभिन्न हवाई अड्डों में अलग-अलग राशि में लिया जाता है। यूजर चार्ज बहुत कम राशि में लिया जाएगा और इसका इस्तेमाल उन रेलवे स्टेशनों में यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने के लिए किया जाएगा जहां वे उतरेंगे।

रेल मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अभी इस तरह का प्रस्ताव विचाराधीन है और इस संबंध में अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। एक बात निश्चित है कि जो यूजर चार्ज लिया जाएगा वह बहुत कम होगा। रेलवे बोर्ड के सीईओ वीके यादव ने भी गत सप्ताह एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि यूजर चार्ज सभी 7000 स्टेशनों के यात्रियों से नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा था कि इस संबंध में जल्द नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा।

सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में कोई पहलू खारिज नहीं किया जा सकता : सीबीआइ

सीबीआइ की एक टीम मुंबई में करीब एक माह तक सुशांत मामले की जांच करके दिल्ली वापस जा चुकी है

राज्य ब्यूरो, मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की संदिग्ध हालात में मौत की जांच कर रही सीबीआइ (केंद्रीय जांच ब्यूरो) ने कहा है कि वह इस मामले की जांच पूरे पेशेवर तरीके से कर रही है। जांच अभी जारी है। इस संबंध में अभी किसी भी पहलू को खारिज नहीं किया जा सकता। इस मामले में सीबीआइ का बयान पहली बार सामने आया है। तीन दिन पहले सुशांत सिंह परिवार के वकील विकास सिंह ने इस मामले की जांच भटकने का आरोप लगाते हुए कहा था कि एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) के एक डॉक्टर ने फोटो देखकर कहा था कि यह साफ-साफ हत्या का केस लग रहा है। सीबीआइ अब तक इसे आत्महत्या के लिए उकसाने के बजाय हत्या के मामले में क्यों नहीं बदल रही है, पता नहीं। उन्होंने आशंका जताई थी कि जांच सही दिशा में नहीं जा रही है।

माना जा रहा है कि विकास सिंह के उक्त बयान के बाद ही सीबीआइ ने यह बयान जारी किया है। बता दें कि सीबीआइ की एक टीम मुंबई में करीब एक माह तक सुशांत मामले की जांच करके दिल्ली वापस जा चुकी है। इस

फाइल फोटो

दौरान सीबीआइ की टीम ने तीन बार मुंबई के बांद्रा स्थित सुशांत के घर जाकर सीन रीक्रिएट किया था और मौत के दिन सुशांत के घर पर उनके साथ रहे सिद्धार्थ पिठानी और नीरज कुमार से कई-कई घंटे पूछताछ की थी। सीबीआइ मुंबई में रहने वाली सुशांत की बहन मीतू सिंह से भी पूछताछ कर चुकी है।

माना जा रहा है कि जरूरत पड़ने पर वह सुशांत के परिवार के अन्य सदस्यों से भी पूछताछ करेगी।बता दें कि 14 जून, 2020 को सुशांत की उनके बांद्रा स्थित घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। घटनास्थल पर पुलिस के पहुंचने से पहले ही सुशांत का शव उनके कमरे के पंखे से नीचे उतारा जा चुका था। उनके फांसी लगाने की बात कहे जाने पर भी पुलिस या सीबीआइ को सुशांत के पंखे से लटकने की कोई तस्वीर प्राप्त नहीं हुई।

सुशांत के परिवार ने भी शुरू में इसे सामान्य आत्महत्या ही माना था, लेकिन बाद में उनके पिता केके सिंह ने पटना में लिखाई अपनी रिपोर्ट में सुशांत की महिला मित्र रिया चक्रवर्ती सहित आठ लोगों के विरुद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया। अब उनके परिवार के सदस्य एक बार फिर आत्महत्या के लिए उकसाने के बजाय सीधे-सीधे हत्या का मामला बताते दिखाई दे रहे हैं। सुशांत के परिवार ने उनके बैंक खातों से बड़ी रकम निकाले जाने का आरोप भी लगाया था। इस मामले की जांच ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) कर रही थी, लेकिन अब तक ऐसा भी कोई सुबूत ईडी के हाथ नहीं लगा है। उलटे ईडी की जांच के दौरान मिली रिया की वाट्सएप चैट्स से बॉलीवुड के ड्रग सिंडीकेट का मामला खुल चुका है। जिसकी जांच एनसीबी (नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) कर रही है। इस मामले में रिया चक्रवर्ती सहित 20 लोग अब तक गिरफ्तार हो चुके हैं और कई प्रमुख अभिनेत्रियों से पूछताछ हो चुकी है।

सीबीआइ जांच निष्कर्ष का उत्सुकता से इंतजार : देशमुख

महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा है कि वह भी सीबीआइ जांच के नतीजे का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। उनके अनुसार सुशांत मामले की जांच मुंबई पुलिस भी पूरे पेशेवर तरीके से कर रही थी। फिर अचानक यह जांच सीबीआइ को सौंप दी गई। लोग पूछ रहे हैं कि सुशांत की मौत आत्महत्या है या उनकी हत्या हुई है? बता दें कि सुशांत मामले की जांच मुंबई पुलिस से लेकर सीबीआइ को दिए जाने के बीच काफी राजनीति भी हो चुकी है। बिहार में एफआइआर दर्ज किए जाने के बाद वहां से आए बिहार पुलिस के एसपी को बीएमएसी (बृहन मुंबई महानगरपालिका) ने क्वारंटाइन कर दिया था। जिसके कारण महाराष्ट्र और बिहार सरकार के बीच भी बयानबाजी का दौर चल निकला था। अब सुशांत के परिवार और मित्रों द्वारा सीबीआइ पर भी दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। सुशांत के मित्र गणेश हिवाकर और उनके पूर्व सहयोगी अंकित आचार्य ने सीबीआइ से न्याय न मिलने पर दो अक्टूबर से भूख हड़ताल करने की घोषणा कर दी है।

नई रक्षा खरीद प्रक्रिया-2020 को सरकार ने दी मंजूरी किराए पर लिए जा सकेंगे लड़ाकू हेलिकॉप्टर-पनडुब्बी

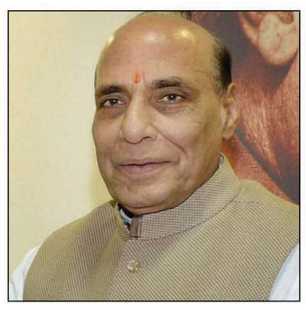

नई दिल्ली, संजय मिश्र। सैनिक साजो-समान और हथियारों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लक्ष्य पर केंद्रित नई रक्षा खरीद प्रक्रिया (डीएपी-2020) की घोषणा कर दी गई है। नई खरीद प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए हथियारों और सैन्य साजो-समान को किराए (लीज) पर लेने का विकल्प खोल दिया गया है। इस बदलाव के बाद अब लड़ाकू हेलिकॉप्टर, मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, नौसैनिक जहाज से लेकर युद्धक साजो-समान को देश-विदेश कहीं से भी अनुबंध पर लेने का रास्ता खुल गया है। बड़े रक्षा सौदों में ऑफसेट कॉन्ट्रैक्ट की बाध्यता को भी अब लगभग नगण्य कर दिया गया है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) की सोमवार को हुई बैठक में डीएपी-2020 पर मुहर लगाई गई। राजनाथ सिंह ने कहा कि नई रक्षा खरीद प्रक्रिया में मेक इन इंडिया के तहत घरेलू रक्षा कंपनियों को ताकत देने की पूरी व्यवस्था की गई है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप है। इसका लक्ष्य भारत को रक्षा क्षेत्र में एक वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनना है।

राजनाथ के अनुसार, रक्षा क्षेत्र की हाल में ही घोषित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की नई नीति के मद्देनजर डीएपी-2020 में घरेलू कंपनियों को प्रोत्साहित करने का प्रावधान रखा गया है। मेक-1 और मेक-2 के अंर्तगत डिजाइन और विकास से जुड़ी कंपनियों को भारतीय नियंत्रित कंपनियों के लिए ही आरक्षित रखा गया है। रक्षा खरीद की नई प्रक्रिया एक अक्टूबर से लागू हो जाएगी। सीमित संसाधनों की चुनौती के बीच देश की रक्षा और सैन्य साजो-समान की भारी जरूरतों को देखते हुए अनुबंध के विकल्प को खरीद प्रक्रिया के अहम हिस्से के रूप में शामिल किया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों से समझौता किए बिना पूंजीगत खर्च में कमी लाने के मकसद से हथियारों और सैन्य साजो-समान को लीज पर लिया जा सकेगा। अभी केवल रूस से नौसैनिक पनडुब्बी लीज पर लिए जाने के अपवाद के अलावा यह विकल्प नहीं था।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, नये डीएपी के बाद युद्धक हेलिकॉप्टर और सैन्य उपकरण-हथियार, मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, नौसैनिक जहाज आदि किराए पर लिए जा सकेंगे। तात्कालिक या आपात जरूरतों के हिसाब से इनके लिए लीज सौदे का विकल्प होगा, जबकि घरेलू छोटी कंपनियों के हित का ख्याल रखते हुए 100 करोड़ तक की रक्षा जरूरतों की आपूर्ति एमएसएमइ सेक्टर के लिए पूरी तरह आरक्षित रखा गया है। रक्षा मंत्रालय में महानिदेशक रक्षा खरीद अपूर्व चंद्रा ने इस बारे में कहा कि पहली बार डीएपी में लीज का विकल्प इसलिए रखा गया है कि दूरगामी लिहाज से यह कम खचीर्ला होगा। इससे कॉन्ट्रैक्ट प्रबंधन का एक नया रास्ता खुलेगा। साथ ही मेनटेनेंस की चुनौती और खर्च में भी कमी आएगी, क्योंकि किराए पर देने वाली कंपनी या देश ही अपने साजो-समान, उपकरणों व हथियारों के रखरखाव का जिम्मा उठाएगा।

वहीं, नये डीएपी में ऑफसेट कॉन्ट्रैक्ट की बाध्यता इसीलिए खत्म की गई, क्योंकि रक्षा मंत्रालय इसके केवल प्रोडक्ट खरीद तक सीमित रहने को समाप्त करना चाहता है। नई नीति के हिसाब से अब दो देशों की सरकारों या सरकारों के जरिये हुए रक्षा सौदे में ऑफसेट कॉन्ट्रैक्ट नहीं होगा। इसी तरह किसी एक कंपनी के साथ रक्षा खरीद के मामले में भी यह प्रावधान लागू नहीं होगा।रक्षा खरीद प्रकिया में इज ऑफ डूइंग बिजनेस के लक्ष्य के तहत 500 करोड़ तक की खरीद को एक ही स्टेज में मंजूरी दी जाएगी। इ

देश में वैक्सीन की जानकारी के लिए पोर्टल हुआ लांच, स्वास्थ्य मंत्री ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसियां। भारत में कोरोना वायरस की वैक्सीन से जुड़ी सभी जानकारियां अब आपको एक पोर्टल पर मिल जाएंगी। भारत में पहली बार देश का शीर्ष चिकित्सा अनुसंधान निकाय भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने एक वैक्सीन पोर्टल लॉन्च किया है। इस वैक्सीन पोर्टल को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने आज लांच किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए कोविद -19 के लिए वैक्सीन पोर्टल का उद्घाटन किया।

इस पोर्टल पर भारत में वैक्सीन विकास से संबंधित सभी सूचनाएं उपलब्ध रहेंगी। आईसीएमआर वैक्सीन पोर्टल को सोमवार को सार्वजनिक किया जाएगा। हालांकि समय के साथ, विभिन्न बीमारियों की रोकथान के लिए उपयोग किए जाने वाले सभी टीकों के लिए उपलब्ध डाटा के साथ इस वेब पोर्टल को और मजबूत किया जाएगा। गौरतलब है कि भारत में फिलहाल तीन कोरोना वैक्सीन पर काम चल रहा है। यह तीनों वैक्सीन ट्रायल के अलग-अलग चरणों में हैं। भारत में तीन कोरोना वैक्सीन-भारत बायोटेक-आइसीएमआर की कोवैक्सिन, जायडल कैडिला की जाइकोव-डी और ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रोजेनेका की कोविशील्ड है।

मध्य प्रदेश: लॉकअप में पुलिस की गोली से हुई मौत के बाद सिंहपुर थाना में बवाल

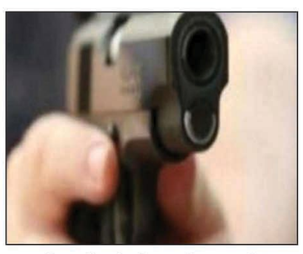

मध्य प्रदेश, जेएनएन। मध्य प्रदेश के सतना जिले के सिंहपुर थाना के लॉकअप में चोरी के संदेही की थानेदार की सर्विस रिवॉल्वर से हुई मौत के बाद बवाल मच गया है। मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने पहुंच गए हैं और सड़क पर धरने पर बैठ गए हैं। परिजनों का सीधा आरोप है कि थानेदार ने शराब के नशे में गोली मार कर राजपति कुशवाहा की हत्या कर दी है। उधर थाना में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक रियाज इकबाल ने आरोपो के घेरे में आये सब इंस्पेक्टर विक्रम पाठक और आरक्षक आशीष को निलंबित कर दिया है। ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिस कर्मियों को हटाया गया।

गौरतलब है कि सिंहपुर थाना इलाके के नारायणपुर गांव में बढ़ईगीरी और राजगीर मिस्त्री का काम करने वाले राजपति कुशवाहा 45 वर्ष की रविवार की रात सिंहपुर थाना के अंदर गोली लगने से मौत हो गई। जिस बंदूक से राजपति को गोली लगी वह सिंहपुर थाना प्रभारी विक्रम पाठक की सर्विस रिवॉल्वर थी। गोली लगने के बाद राजपति को सिंहपुर थाना से बिरला अस्पताल ले जाया गया था जहां उसकी मौत हो गई थी बावजूद इसके उसे रीवा मेडिकल कालेज ले जाया गया।

सुबह जब परिजन थाना पहुंचे तो पता चला कि राजपति की मौत हो चुकी है। यह सूचना नारायणपुर पहुंची तो मृतक की पत्नी बच्चों समेत सैकड़ा भर ग्रामीण सिंहपुर पहुंच गए। परिजन और ग्रामीण थाना के सामने सड़क पर बैठ गए और उन्होंने नागौद कालिंजर मार्ग पर आवागमन ठप कर दिया।

मृतक की पत्नी और अन्य परिजनो का आरोप है कि पुलिस ने लल्लू गर्ग नाम के व्यक्ति के इशारे पर राजपति को चोरी के संदेह में रविवार की दोपहर लगभग 2 बजे घर से उठाया था। थानेदार विक्रम सिंह , आरक्षक आशीष सिंह और नीरज त्रिपाठी उसे थाना ले आये थे। रात में जब राजपति का भांजा थाना भोजन ले कर आया तो उसे भगा दिया गया। कुछ ही देर बाद रात लगभग सवा 9 बजे उसने थाना के अंदर गोली चलने की आवाज सुनी। थोड़ी देर बाद पुलिस कर्मी किसी को गाड़ी में लाद कर ले गए ।

बेहद आक्रोशित परिजन और ग्रामीण पुलिस को खुली चुनौती पेश करते हुए धरने पर तो बैठे ही थे पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी कर रहे थे। पुलिस के वाहनों कें रास्ते पर लेट गए नाराज लोग एसडीओपी, एडिशनल एसपी और आरआई से भी उलझ गए। ग्रामीणों का कहना था कि पुलिस अब हमें भी गोली मार दे । इस दौरान पुलिस और नाराज लोगो के बीच कई बार झड़प भी हुई।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज मंगलवार, 29 सितम्बर, 2020

संक्षेप समाचार

करछना मे 50 की कोरोना जांच 3 पाजटिव

करछना। सोमवार को सीएचसी करछना मे 50 लोगो की कोरोना जांच की गई जिसमे एक युवक की रिर्पोट पाजटिव आई।अधीक्षक डा0 जीके तिवारी ने बताया कि आज हुई जाच मे झीरी का युवक गांव पाजटिव आया।अधीक्षक ने सभी से सामाजिक दूरी बनाये रखने और मास्क लगाने पर जोर दिया।

बिजली कटौती से लोग परेशान हो रहे ग्रामीण

करछना। इन दिनो बारिश के बाद अचानक बढ़ी उमस के बीच बिजली की कटौती से लोगो का जीना दूभर हो गया हैएक्षेत्र के करछना समेत घोडडीहएबराव भुडा आदि उपकेन्द्रो से जुडे गावो मे हो रही अधाधुध कटौती से लोगो को भारी फजीहत उठानी पड रही है।लोगो का कहना है कि उपकेन्द्रो पर तैनात विद्धुत कर्मियो की मनमानी के चलते गावो मे बिजली की कटौती जोरो पर है शिकायत के बावजूद विभागीय अधिकारी अ?जान बने रहते है जिससे समस्या जस की तस बनी रहती है।जर्जर तारो के सहारे हो रही आपूर्ती के चलते इस उमस भरी गर्मी मे लोग बेहाल हो रहे है लोगो ने बिजली कटौती बंद किए जाने की माग की है।

दर्शनार्थियों से भरी अप्पे पलटी दो की मौत, 11 लोग घायल

घायलों को अस्पताल लेकर पहुंचे लोग

हादसे के बाद घटनास्थल पर जमा भीड़ व मौजूद पुलिस

लालापुर। लालापुर थाना अंतर्गत मनकामेश्वर धाम जा रहे दर्शनार्थियों से भरी तीन पहिया वाहन पलटी जिसमे दो लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि करछना थाना क्षेत्र के करेहा बाजार निवासी रविशंकर प्रसाद विश्वकर्मा अपने पुत्र के मुंडन हेतु लालापुर स्थित मनकामेश्वर धाम जा रहे थे की बेला मुंडी स्थित मोड़ पर अनियंत्रित होकर तीन पहिया वाहन पलट गई। जिसमें सवार लगभग 13 लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए, और दो की मौत हो गई । मृतक अनारकली 66 वर्ष एवं आयुष 1 वर्ष अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिए । शेष 11 लोगों को सीएससी जसरा से रेफर किया गया है। जिन का इलाज एसआरएम प्रयागराज में चल रहा है। घायलों में धर्मेंद्र कुमार संगीता देवी, मंजू देवी, अंजलि, स्वरूप वती, यशी, पार्वती,नेहा व अन्य लोगों को प्रयागराज भेजा गया है ।

भारी पुलिस बल के बीच कंजासा गांव के कोटेदार का हुआ चुनाव

घूरपुर के कंजासा गांव के कोटेदार के चुनाव के दौरान जुटी भीड़

घूरपुर। इलाके के अति सवेंदनशील गांव कंजासा में भारी पुलिस बल के बीच सोमवार के दिन सरकारी कोटेदार का चुनाव संपन्न हुआ भीड़ को संयमित रखने के लिए पुलिस को सख्ती भी करनी पड़ी। चुनाव में सीमा निषाद ने अपनी प्रतिद्वंदी अंशु निषाद को 52 मतों से पराजित कर विजयी हुई।

जसरा विकास खंड के कंजासा गांव का सरकारी राशन के कोटे की दुकान कैनुआ गांव से अटैच था वहां का कोटेदार सुरेंद्र शर्मा ने विवाद पर एक वर्ष पूर्व रिजाइन दे दिया था तब से दूसरे गांव अटैच कर दिया गया था। इस बीच चुनाव को लेकर कई बार ग्रामीणों ने प्रयास किया। लेकिन चुनाव नही पा रहा था। सोमवार के दिन एसडीएम गौरव रंजन ने घूरपुर-लालापुर के भारी पुलिस बल के साथ सरकारी राशन के कोटे का चुनाव कराया। चुनाव समहू के दो महिलाओं के बीच कराया गया। जिसमें सीमा निषाद को 105मत मिला और प्रतिद्वंदी अंशु निषाद को 53मत मिले। सीमा निषाद 52 मतों से विजयी घोषित की गई तो समर्थको में खुशी की लहर दौड़ गई और एक दुसरे को बधाई दी गई। उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने व शांतीपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए पुलिस को कई बार सख्ती करनी पड़ी।

रिबोर हुआ ही नही निकल गया पैसा, शिकायत के बावजूद नही हुई कार्यवाही

करछना। विकास खण्ड करछना के हरई गांव में ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत विकास अधिकारी की मिली भगत से गांव के दो लोगों के हैडपंप रिबोर का पैसा निकाल लिया भुक्तभोगियो द्धारा की गई शिकायत के बावजूद कोई कार्यवाही न होने से भुक्तभोगी हैरान परेशान है। लोगो का कहना था कि ग्राम प्रधान की मिलीभगत से जिम्मेदारो पर कोई कार्यवाही नही होती जिससे लोगो को दर दर भटकना पडता है।गांव निवासी जमुना प्रसाद तिवारी व धनीलाल ने द्वारा बीडीओ करछना से इसकी शिकायत की थी किन्तु आज तक कोई जांच करने भी गांव नही पहुचा। जिसे लेकर भुक्तभोगी पानी के लिए दर दर भटक रहे है।

राजस्थान में छात्र की हत्या के विरोध में आदिवासियों का प्रदर्शन

छात्र की हत्या के विरोध में प्रदर्शन करते आदिवासी समाज के लोग

शंकरगढ़। आदिवासी अधिकार मंच के बैनर तले सोमवार को कोल आदिवासियों ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय के नाम संबोधित छह सूत्रीय मांगपत्र का ज्ञापन शंकरगढ़ खंड विकास अधिकारी देवेंद्र ओझा को सौंपा। आदिवासियों ने हुंकार भरते हुए नगर में जुलूस निकाला और कहा कि मध्य प्रदेश के रींवा जिले में स्थित ग्राम पंचायत देवरा में आदिवासियों के घर उजाड़कर बेदखल कर दिया गया।साथ ही आदिवासी महापुरुष बिरसा मुंडा की प्रतिमा खंडित कर दी गई।इसके साथ ही राजस्थान में आदिवासी छात्रों की पुलिस कर्मियों द्वारा हत्या कर दिया गया, जिसका हम सभी विरोध करते हैं। आक्रोशित वक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश का आदिवासी समाज संगठन के नेतृत्व में महामहिम के समक्ष न्याय की अपील करते हुए मांग करता है कि हम लोगों के साथ जो अन्याय हुआ है उसकी कार्रवाई की जाए। रींवा के हनुमना के देवरा में पुलिस प्रशासन द्वारा आदिवासियों पर लगाए गए बेबुनियाद मुकदमे वापस लिये जाय। साथ ही राजस्थान के डूंगरपुर में मारे गए आदिवासी छात्रों के परिजनों को सरकार एक करोड़ का मुआवजा देकर परिवार में नौकरी दे। इन्ही मांगों को लेकर जगह-जगह आदिवासियों द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है।

सोमवार को शंकरगढ़ में आदिवासी अधिकार मंच के मध्यप्रदेश के अध्यक्ष शिवांशु कोल, अवनीश कोल, अनिल कुमार कोल, राजकरण कोल, रघुनाथ, कन्हैया लाल, मिथुन कुमार, गंगादीन, अवध बिहारी, रमेश रंजन आदि ने प्रदर्शन किया।

किस्त न आने से अर्धनिर्मित पड़े प्रधानमंत्री आवासें, लाभार्थियों में उदासी

मऊआइमा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को छत मुहैया कराने की सरकारी योजना अधर में लटकी हुई है। किस्त न आने से गरीब पन्नी डाल कर गुजारा करने को विवश हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हर गरीबों को आवास मुहैया कराने की योजना अधर में लटकी हुई है । बताया जाता है कि गरीब जिनके पास पक्का मकान नहीं है उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान निर्माण कराने की योजना चलायी गयी है। इधर अप्रैल माह के बाद जिन लोगों को पहली या दूसरी किस्तें आयीं हैं। उनको आज तक अन्तिम किस्त नहीं मिल पायी है। बताया जाता है कि नगर पंचायत मऊआइमा में दर्जनों गरीबों को पहली किस्त पचास हजार आ गई तो वह अपना कच्चा मकान गिरा कर नींव भरवा लिए। दूसरी किस्त डेढ लाख रुपये के इंतजार में वह अपने नींव पर पन्नी डाल कर रह रहे हैं।इसी प्रकार तीसरी किस्त पचास हजार आती है वह भी इधर उधर से कर्ज ऋण लेकर मकान तो जैसे तैसे बना लिए हैं। परन्तु तीसरी किस्त पचास हजार रुपये न आने से रोज सूदखोर परेशान कर रहे हैं। बता दें कि नगर पंचायत मऊआइमा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ढाई लाख रुपये तीन किस्तों में भेजा जाता है। पहले पचास फिर डेढ लाख अन्तिम किस्त पचास हजार आता है । प्रधानमंत्री आवास योजना की किस्त न आने पर लाभार्थियों में काफी मायूसी छायी हुई है। इसी प्रकार नए आवेदक भी किस्तों के इंतजार में थक हार चुके हैं। इस बाबत सम्बंधित अधिकारियों से बात की गई तो वह गोल मोल उत्तर देते हैं। कोई प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में सही उत्तर नहीं दे पा रहा है। जिससे लाभार्थियों में काफी उदासी छायी हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों ने शासन प्रशासन से रूके हुए किस्तों को भेजने की मांग की है ।

धूमधाम से मनी शहीद भगत सिंह की 114वीं जयंती

आजाद भगत सिंह के जयंती के अवसर पर जुलूस निकालते नौजवान भारत सभा

जसरा। शहीद भगत सिंह की 114 वीं जयंती नौजवान भारत सभा के बैनर तले जसरा ब्लाक कार्यालय के सामने मनाई गयी।

कार्यक्रम का शुभारंभ शहीदे आजम भगत सिंह के तस्वीर पर माल्यर्पण कर नारे लगाए गये। शहीदे आजम भगत सिंह अमर रहे, भगत सिंह कहें युवाओं से जागो, बेरोजगारों का पंजीकरण करो, बेरोजगारी भत्ता 10,000 हो, भगत सिंह कहें युवाओं से जागोः मनरेगा मजदूरी 500 रुपये करो, वर्ष भर सबको काम दो। भगत सिंह कहें युवाओं से जागोः कौशल विकास केन्द्र खोलो, प्रशिक्षण देकर रोजगार दो। भगत सिंह कहें संघर्ष करो, विदेशी कम्पनियों की दलाली बंद करो, विदेशी पूंजी जब्त करो, विदेशी लूट बंद करो। भगत सिंह का यह है वाद जल-जंगल-जमीन-बाजार पर दबंगों, दलालों और विदेशियों का कब्जा मुदार्बाद।

भगत सिंह कहें एकता बनाओ, नदी-पहाड़ में मशीनरीकरण पर रोक लगाओ। भगत सिंह कहें गांव जगा दो,हर गांव में स्कूल, अस्पताल, कम्प्यूटर केन्द्र खोलकर रोजगार दो।

भगत सिंह कहें संघर्ष करो, गरीबों को जमीन बांटो, सिंचाई दो - खेती का विकास करो। भगत सिंह कहें युवाओं से जागोः छतों पर सौर ऊर्जा लगाओ, गांव को बिजली मुफ्त दो।भगत सिंह कहें संघर्ष करोः गावों में नाली, खडंजा, आवास बनाओ, गांव का विकास करो। भगत सिंह कहें संघर्ष करोः नशाखोरी, जुआ पर रोक लगाओ, समाज में सुधार लाओ।

भगत सिंह कहें संघर्ष करोः दलितों, महिलाओं व मुसलमानों पर हमले बंद करो।भगत सिंह कहें संघर्ष करो, जुमार्ना लगाना बंद करो, मास्क बांटना शुरू करो।

भगत सिंह कहें संघर्ष करोः शिक्षा, स्वास्थ्य सबका अधिकार, सरकारी सुविधाएं कर दीं बेकार, निजीकरण नहीं, सुधार करो। गत सिंह का है यह बात, साम्राज्यवाद के दलालों का राज मुदार्बाद आदि नारे लगाए गये। वहां मौजूद वक्ताओं ने भगत सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंग्रेजो ने अपनी कम्पनियों के उत्पादन के लिए सुविधानुसार खेती कराने के लिए किसानों को बाध्य किया। दूसरी तरफ विकास के नाम पर भारतीय जनता पर टैक्स लगाए।

आज की वर्तमान सरकार भी बड़े कारपोरेट के लिए कानून बना रही है व डीजल - पेट्रोल के दाम बढाकर,जनता पर जुमार्ना लगाकर टैक्स वसूल रही है। कोरोना काल में सुविधाए देने के बजाए जनता के मौलिक अधिकारों पर हमला कर किसान विरोधी व कारपोरेट पक्षधर कानून बनाकर साबित कर दिया है कि भारत की मेहनतकश जनता की सरकार हितैशी नही है, बल्कि बड़े पूंजिपतियों व बड़े कारपोरेट की पक्षधर है।

कांग्रेसी नेता राम किशुन सिंह पटेल

किसानों की आवाज उठाने से डर रही है योगी सरकार : राम किशुन सिंह पटेल

प्रयागराज। किसानों के समर्थन में सड़क पर उतरे कांग्रेसी नेताओं से योगी सरकार डर रही है। सोमवार को लगभग 1000 कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं दूसरी तरफ प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे कुछ कांग्रेसी नेताओं घरों में ही नजरबंद कर दिया गया है। यह बात गंगा पार जिला अध्यक्ष राम किशुन सिंह पटेल ने जनसंदेश टाइम्स को बताया की कांग्रेसियों के समर्थन में लखनऊ शहर में महा प्रतिष्ठित की तैयारी हो रही थी। इसमें प्रयागराज से भी काफी संख्या में कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचे थे जैसे ही लखनऊ पहुंचे ही थे कि योगी सरकार की पुलिस ने रामकिशुन सिंह पटेल सहित कई कांग्रेसी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। राम किशन सिंह ने बताया कि कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को संख्या बल को देखकर योगी सरकार डर गई' तथा किसानों की आवाज उठाने से योगी सरकार और रुक रही है' भाजपा सरकार तानाशाही पर उतर गई है। प्रोटेस्ट में शामिल होने जा रहे कांग्रेसी नेता रामकृष्ण सिंह पटेल, दीपचंद तिवारी राकेश पटेल वरिष्ठ नेता अंशुमान सिंह पटेल को भी हिरासत में लेकर लखनऊ स्थित पुलिस लाइन में बैठाया गया है।

हाईकोर्ट समाचार

हेड कान्सटेबिलों को रिवर्ट कर पीएसी में भेजने के खिलाफ याचिकाओं पर अब पहली को सुनवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आज हेड कान्सटेबिल से कान्सटेबिल के पद पर रिवर्ट (पदावनत) किए गये सैकड़ों हेड कान्सटेबिलों की याचिका पर अब एक अक्टूबर को सुनवाई करने को कहा है। कोर्ट में आज शासन की तरफ से लिखित में प्राप्त जानकारी दी गयी कि इन कान्सटेबिलों के पदावनत आदेश को संशोधित कर दिया गया है। यह आदेश जस्टिस ए.के मिश्र ने हेड कान्सटेबिल पारस नाथ पाण्डेय समेत सैकड़ों हेड कान्सटेबिलों की याचिका पर दिया है। याचिका में 9 व 10 सितम्बर 2020 को पारित डीआईजी स्थापना, पुलिस मुख्यालय, उप्र व अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस मुख्यालय उप्र के आदेशों को चुनौती दी गयी है। इन आदेशों द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैनात 890 हेड कान्सटेबिलों को पदावनत कर आरक्षी बना दिया गया है और उन्हें पीएसी में स्थानांतरित कर दिया गया है। कोर्ट के कहने पर शासन से प्राप्त लिखित इन्स्ट्रक्शन को कान्सटेबिलों की तरफ से बहस कर रहे सीनियर एडवोकेट विजय गौतम को मुहैया कराया गया। मालूम हो कि प्रदेश सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने पिछली तिथि पर इस केस में कोर्ट से तीन दिन का समय मांगा था तथा कहा था कि हम शासन से इस मामले में आवश्यक जानकारी भी हासिल कर लेगें। हेड कान्सटेबिलो की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम ने कोर्ट से पदावनत आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी। कोर्ट ने इस मामले में 28 सितम्बर को सुनवाई करने को कहा था। याचिकाओं में मुख्य रूप से कहा गया है कि इतने वृहद स्तर पर हेड कान्सटेबिलो को पदावनत बगैर उन्हें सुनवाई का अवसर दिए करना नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्त के विपरीत है। कहा यह भी गया है कि याचियों को 20 वर्ष बाद सिविल पुलिस से पीएसी में वापस भेजना शासनादेशां के विरूद्ध है।

बंधक भट्ठा मजदूरों को सीजेएम के समक्ष पेश करने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ईट भट्टे पर बंधक बनाए गए तीन मजदूरों को भट्ठा मालिकों के चंगुल से छुड़ाकर सीजीएम बागपत के समक्ष पेश करने का आदेश दिया है। मजदूरों का आरोप है कि भट्ठा मालिकों ने उन्हें अवैध रूप से निरुद्ध कर रखा है। मोनू व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने दिया है। याची गण का कहना है कि उनको भट्ठा संचालक विनोद गोयल, रवि व सुनील ने बंधक बनाकर के रखा है और बाहर नहीं जाने दे रहे हैं। यह काफी पहुंच वाले हैं। जबकि भट्ठा संचालकों के वकील का कहना था की याचिका अनावश्यक दबाव डालने के इरादे से दाखिल की गई है। क्योंकि याचीगण ने एडवांस पैसा लिया है जो वह लौटाना नहीं चाहते हैं। कोर्ट ने एसएसपी बागपत को निर्देश दिया है कि वह याची मोनू, चमन और सतेश्वर को सीजीएम बागपत के समक्ष पेश करें और सीजीएम तीनों का बयान दर्ज कर अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट को भेजें। कोर्ट ने एसएसपी को यह भी निर्देश दिया है कि वह बरामदगी के दौरान देखें कि मजदूर किसकी अभिरक्षा में हैं। मामले की सुनवाई 30 सितंबर को होगी

ग्राम प्रधान का लेटर पैड फाड़ने व मारपीट के आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बछगांव, थाना मगोर्रा, मथुरा निवासी मुकेश पुत्र हरीशचंद के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामले में पुलिस रिपोर्ट पेश होने तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और याची को विवेचना में सहयोग करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा तथा न्यायमूर्ति अजीत सिंह प्रथम की खंडपीठ ने मुकेश की याचिका पर दिया है। याची पर प्रधान के लेटर पैड को फाड़ने व मारपीट करने का आरोप है। याची अधिवक्ता का कहना है कि याची के भाई माधव सिंह ने विपक्षी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करायी है। जिसमें पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की है। परेशान करने के लिए मनगढ़ंत आरोपों में यह एफआईआर दर्ज करायी गयी है । याची पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि द्वारा झूठा मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने से इंकार करने पर पांच लोगों द्वारा मिलकर मारपीट करने का आरोप है।

घटिया मास्क व कोरोना वैक्सीन ट्रायल स्थिति की केंद्र सरकार से जानकारी तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने घटिया मास्क की बिक्री पर केन्द्र सरकार के अधिवक्ता से आईसीएमआर मास्क के गुणवत्ता की गाइडलाइन की जानकारी मांगी है। और पूछा है कि कोरोना वैक्सीन परीक्षण किस तरीके से किया जा रहा है तथा कितने समय में अंतिम परीक्षण पूरा कर लिया जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा तथा न्यायमूर्ति अजित कुमार की खंडपीठ ने कोविड 19 को लेकर कायम जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा है कि देश में तीन माह तक असफलता पूर्वक लाकडाउन लागू करने वाली पुलिस जब मास्क पहनकर सोसल डिस्टेनिंसग को कड़ाई से लागू नहीं करा पा रही है। अक्सर देखा जा रहा है कि थाने के बाहर पुलिस के कई लोग स्वयं मास्क नही पहन रहे हैं। जब से एसएसपी ने जिलों में टास्क फोर्स गठित किया सिविल पुलिस गाइडलाइन लागू कराने में नहीं लग रही। कोर्ट ने तमाम वकीलों के सुझावो को उद्धत करते हुए राज्य सरकार को अमल में लाने पर विचार करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने 30 सितम्बर को सुनवाई के दिन सरकार से जानकारी मांगी है। कोर्ट ने सुझाव दिया है कि पुलिस व सरकारी कर्मचारियों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य हो, क्योंकि खुद मास्क पहनकर न आने वाले दूसरों को कैसे मास्क पहनने को कह सकते हैं। सभी विभागों के मुखिया सेनेटाइजेशन कराये और मास्क, सोसल डिस्टेनिंसग को कढाई से लागू करे। हर नागरिक को अधिकार हो कि कोई बिना मास्क दिखे टोल फ्री नंबर पर फोन कर शिकायत कर सके। कोर्ट ने यह भी सुझाव दिया है कि सड़क पटरी पर लगे किसी को भी ठेला खोमचा या दूकान पर बाहर खाने की अनुमति न दी जाय। लोग खाद्य पदार्थों को पैक कराकर घर ले जाकर खायें। माडलवाइन शाप के बाहर किसी को भी पीने की अनुमति न दी जाए तथा इस पर रोक लगे। कोर्ट ने कहा है कि जिन देशों में मास्क पहनकर सोसल डिस्टेनिंसग को कड़ाई से लागू किया गया है उनमें कोरोना मरीजो की संख्या लगातार घट रही है। कोर्ट ने प्रयागराज सिविल लाइन्स में पार्किंग के मुद्दे पर विचाराधीन दूसरी जनहित याचिका को भी मुख्य न्यायाधीश के नामांकन के बाद पेश किये जाने का निर्देश दिया है। व्यापार मंडल ने अनुरोध किया है कि अन्य याचिका जो पार्किंग मुद्दे पर है, उस पर अंतिम फैसला नहीं किया गया है। इसलिए इस याचिका मे पार्किंग मुद्दे पर आदेश न दिया जाए। याचिका की सुनवाई 30 सितम्बर को होगी।

बालू और सिलिकासैंड के अवैध परिवहन में चार ट्रैक्टर सीज

शंकरगढ़। तहसील प्रशासन और खनन विभाग ने सोमवार को अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ जांच अभियान चलाया।इस दौरान जांच टीम ने अलग-अलग स्थानों पर छापा मारा। जांच टीम ने शंकरगढ़ के मिश्रापुरवा के पास चन्दनवा चरहारी पर औचक छापा मारकर अवैध खनन और परिवहन करने वाले लोगों को धर दबोचा।भारी पुलिस के साथ आए अधिकारियों को देखकर चारों तरफ भगदड़ मच गई। मजदूर अपना औजार फेंककर भाग निकले। इस दौरान उपजिलाधिकारी बारा गौरव रंजन श्रीवास्तव, खनन विभाग के अधिकारी व शंकरगढ़ थानाध्यक्ष राजेश उपाध्याय ने मौके से बालू और सिलिका सैंड लदे चार ट्रैक्टरों को कब्जे में लेकर सीज कर दिया। तहसील प्रशासन और खनन विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बनी रही।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

नये कृषि विधेयकों से क्रांतिकारी बदलाव आयेंगेः पतविंदर सिंह

प्रयागराज। समाजसेवी सरदार पतविंदर सिंह ने अपने युवा सहयोगियों के साथ गांव की पगडंडियों के सहारे विचरण कर भ्रम दूर करने के लिए नए कृषि कानूनों पर किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि नये कृषि विधेयकों से क्रांतिकारी बदलाव आयेंगे सरदार पतविंदर सिंह ने आगे कहा कि जो कानून किसानों के हित में है, लेकिन कुछ स्वार्थी तत्व उसे अहितकारी बताने के लिए छल और झूठ का सहारा लेकर किसानों को बरगलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि संसद से पारित तीनों विधेयकों को लेकर तरह-तरह का भ्रम पैदा किया जा रहा है। लेकिन वास्तव में संसद में पारित तीनों कृषि विधेयक क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले हैं। कहा कि पहली बात तो किसान को कोई भी उत्पादन बेचने के लिए मजबूर नहीं कर सकता और दूसरी बात इस विधेयक में प्रावधान है कि किसान देश भर में जहां भी बेहतर कीमत मिले वहां उत्पादन भेज सकता है।समाजसेवी ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को बधाइयां देते हुए कहा कि कृषि सुधार से जुड़े तीनों विधेयकों पर हस्ताक्षर कर मंजूरी देते हुए तीनों विधेयकों को कानून बना दिया।

कर्ज से तंग पति ने पत्नी की कर दी निर्मम हत्या

पत्नी आशा देवी के नाम पर बैंक और स्वयं सहायता समूह समेत कई लोगों से लाखों रुपए का लिया था कर्जा

लालगोपालगंज। पत्नी के नाम पर लाखों रुपए का कर्ज लेने वाले पति पर कर्ज की अदायगी का लगातार दबाव बढ़ता गया। कर्ज चुकता करने के सभी रास्ते बंद दिखाई पड़ रहे थे। बैंक से लोन समेत हर तरह के कर्ज से मुक्ति पाने के लिए आखिरकार पति पत्नी के रिश्ते को शर्मसार करने की पति ने ठान ली। आखिरकार बीती रात कर्जे के बोझ तले दबे पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से निर्मम हत्या कर दिया। पुलिस की सुराग रसी से पत्नी के हत्यारे पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना से नवाबगंज क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

नवाबगंज थाना क्षेत्र के पबनाह गांव का रहने वाला शिव शंकर मौर्य अपनी निजी कार चलाकर परिवार के साथ रहता था। पत्नी आशा देवी मौर्य स्वयं सहायता समूह चलाती थी। पति पत्नी अपने तीन बेटे शुभम आदित्य और आर्यन के साथ रहते थे। पति शिव शंकर मौर्य ने पत्नी के नाम से बैंक स्वयं सहायता समूह समेत कई लोगों से कर्ज लिया था। सूचना के मुताबिक बताया जा रहा है कि पति शिव शंकर ने पत्नी के नाम पर लगभग बीस लाख रुपए का बकाए दार हो गया। कर्जा लेने के लिए लोग लगातार दबाव बना रहे थे। आमदनी के रास्ते सीमित होने के कारण पति ने खुद को कर्ज में दबा महसूस कर रहा था। कर्ज अदायगी का कोई रास्ता नजर ना आने से पति को पत्नी की हत्या कर कर्ज से मुक्ति पा लेने की सूझी। बीती रात पति पत्नी एक कमरे में सो रहे थे जबकि दोनों बच्चे उसी घर के दूसरे कमरे में मौजूद थे। पत्नी की हत्या की सूचना सोमवार को सुबह लगभग 8:00 बजे जंगल में आग की तरह फैल गई पति शिव शंकर मौर्य दहाड़े मारकर चिल्लाने लगा गांव के लोग जब घर में दाखिल हुए तो पत्नी खून से लथपथ मृत पाई गई घटना की सूचना गांव वालों को मिलते ही घटनास्थल पर भीड़ जुड़ गई। नवाबगंज पुलिस आनन-फानन मौके पर पहुंच गई मामले की पड़ताल किया।

मौत को बाद गमजदा परिजन व इनसेट में मृतका की फाइल फोटो

पति ही निकला पत्नी का कातिल

लालगोपालगंज। मामले का पदार्फाश करने के लिए पुलिस ने जब तहकीक शुरू की तो पता चला कि पत्नी के नाम पर पति ने लंबा कर्ज लिया है जिसको अदा न कर पाने की सूरत में पत्नी को मौत के घाट उतारकर कर्जा से मुक्ति आना चाहता था। परंतु पुलिस ने मामले की पड़ताल करते हुए कातिल पति को अपनी हिरासत में ले लिया। घर के बगल एक खेत से पतले में प्रयुक्त कुल्हाड़ी को बरामद कर लिया। कातिल पति शिव शंकर मौर्य के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर पुलिस ने उसे जेल भेज दिया।

ननिहाल वालों के साथ लिपटकर बिलखते रहे तीनों मासूम

लालगोपालगंज। आशा देवी मौर्य की हत्या के बाद पति दुख और रोने का ढोंग कर रहा था। वहीं तीनों बच्चे दहाड़े मार कर रो रहे थे। उसी गांव में ब्याही दूसरी बहन ने कतले क सूचना प्रतापगढ़ जनपद के मांधाता अपने मायके में को दी। चीखते चिल्लाते मायके वाले पबनाह गांव पहुंचे। मौत की घटना के बाद शुभम आदित्य और मासूम आर्यन को देखकर ननिहाल वालों ने उसे सीने से लगा लिया।

राज्यमंत्री ने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की

प्रयागराज। मा0 राज्यमंत्री, महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती स्वाती सिंह ने जनपद प्रयागराज में महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार की मण्डलीय समीक्षा बैठक की। मा0 मंत्रीजी के द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गयी। पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन अनुदान योजना की मण्डलीय समीक्षा की गयी योजना के सभी पात्र लाभार्थियों की द्वितीय किश्त पी.एफ.एम.एस के माध्यम से सभी के खाते में धनराशि अन्तरित हो गयी है सभी को द्वितीय किश्त का भुगतान प्राप्त हो चुका है। कन्या सुमंगला योजना के अर्न्तगत सभी पात्र लाभार्थियों का ऑगनवाडी के माध्यम से प्रतिदिन 25-30 घरो (परिवारों) सर्वे कराये जाने हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिये गये। और निर्देशित किया गया कि इस योजना के अन्तर्गत कोई भी पात्र लाभार्थी लाभ से वंचित रहने पाये के निर्देश दिये गयें। कन्या सुमंला योजना के साथ ही साथ 181 वन स्टाप सेन्टर का प्रचार कराये जाने पर जोर दिया गया। बालिकाओं का बोनमैरो टेस्ट इसी योजना के तहत कराये जाने के निर्देश दिये गये। बेटी बचाओ बेटी पढाओ के प्रचार -प्रसार पर बहुत अधिक बल देते हुए सभी जिला प्रोबेशन अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि योजना का प्रचार - प्रचार होडिंग, भित्त लेखन एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कराये जाने के निर्देश दिये गये। उपरोक्त के अतिरिक्त किशोर न्याय (बालको की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के अन्तर्गत संचालित राजकीय सम्प्रेक्षण, राजकीय बाल गृह (बालिका) राजकीय बाल गृह (शिशु) राजकीय महिला शरणालय प्रयागराज एवं अर्द्व सरकारी स्वैच्छिक संगठनों के माध्यम से संचालित खुला आश्रय गृह, बाल गृह (बालक) स्वाधार गृह की समीक्षा की गयी। स्पासन्सरसिप योजना के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हेतु सभी जिला प्रोबेशन अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस योजना के अन्तर्गत सभी पात्र लाभार्थियों का फालोअप करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में श्री प्रभात रंजन उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारी प्रयागराज मण्डल प्रयागराज, पंकज कुंमार मिश्र, जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रयागराज, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रयागराज, राजनाथराम जिला प्रोबेशन अधिकारी कौशाम्बी, प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी फतेहपुर, प्रतिनिधि जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रतापगढ, अजीत सिंह, सचिव, चाइल्ड लाइन रेलवे, एवं जनपद चाइल्ड लाइन प्रयागराज प्रतिनिधि तथा अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक करती मा0 राज्यमंत्री श्रीमती स्वाती सिंह

वृक्षारोपण हेतु इच्छुक कृषक एवं संस्थायें भू-अभिलेख विवरण के साथ निःशुल्क पौधे प्राप्त करने हेतु करें सम्पर्क

मुख्य उद्यान विशेषज्ञ, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, खुशरूबाग ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उ0प्र0 के अधीन संचालित राजकीय पौधशाला औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र खुशरूबाग में कटहल, नीबू, सहजन, अमरूद, जामुन के साथ-साथ शोभाकार पौधे, कदम, चितवन, पुत्रजीवा, मौलश्री के बीजू पौधे वृक्षारोपड़ हेतु निःशुल्क उपलब्ध हैं। वृक्षापरोड़ करने वाले कृषकों एवं राजकीय व अर्धशासकीय संस्थाओं को पौधे निःशुल्क दिये जाने हैं। वृक्षारोपड हेतु इच्छुक कृषक एवं संस्थायें भू-अभिलेख विवरण के साथ पौधशाला प्रभारी औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, खुशरूबाग प्रयागराज से सम्पर्क कर निःशुल्क पौधे प्राप्त कर सकते है। पौधों के रोपड़ आदि तकनीकी जानकारी हेतु मुख्य उद्यान विशेषज्ञ औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, खुशरूबाग प्रयागराज के मो0-8604800161 पर संपर्क कर सकते हैं।

फांसी लगाकर किशोरी ने की खुदकुशी

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के मम्मफोर्डगंज मोहल्ले में सोमवार सुबह कतिपय कारणों से क्षुब्ध होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। कर्नलगंज के मम्मफोर्डगंज निवासी विनीता यादव (16वर्ष) पुत्री विनोद कुमार यादव दो बहन और एक भाई में सबसे बड़ी थी। बताया जा रहा है कि सोमवार की सुबह वह घर पर अकेली थी। उसकी मां अनीता समेत सभी सदस्य अपने अपने कार्य में लगे हुए थे। इसी बीच उसने कमरे की चैखट से दुपट्टा के सहारे गले में फन्दा डालकर आत्महत्या कर ली। जब घटना के सम्बन्ध में परिवार के लोगों को हुई तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस कहना है कि परिवार के लोगों ने बताया कि वह इण्टर की परीक्षा में असफल हो जाने की वजह से तनाव में रहती थी।

पोषण और कोरोना जागरूकता प्रचार अभियान का शुभारम्भ

प्रयागराज। कोरोना संक्रमण रोकने में व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता का बहुत महत्व है और इसे पौष्टिक आहार से प्राप्त किया जा सकता है। यह बातें सांसद श्रीमती केशरी देवी पटेल ने सोमवार को क्षेत्रीय लोक सम्पर्क ब्यूरो, सूचना और प्रसारण मंत्रालय प्रयागराज द्वारा दस दिवसीय प्रचार अभियान का शुभारम्भ करते हुए कही।

इस अवसर पर प्रादेशिक लोक सम्पर्क ब्यूरो, लखनऊ के संयुक्त निदेशक सुनील कुमार शुक्ल ने कहा कि प्रयागराज सहित प्रदेश के ऐसे सात जिलों को इस प्रचार अभियान के लिए केन्द्र सरकार द्वारा चिन्हित किया गया है जहां बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित जांच के दौरान पाए जा रहे हैं और अस्पतालों में भर्ती सक्रिय मामलों की संख्या ज्यादा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के संवेदनशील सात जिलों में इस प्रचार अभियान को संचालित किया जाना है। पहले चरण में प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर और मेरठ जिलों में इसे आज से एक साथ शुरू किया गया है। प्रचार अभियान के दौरान संदेशमूलक सचल प्रदर्शनी संवेदनशील इलाकों में घूमती रहेगी और ध्वनि विस्तारक उपकरणों से जागरूकता सम्बंधित संदेश प्रसारित किये जाएंगे। सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर और बैनर लगाये जाएंगे और लोगों के बीच हैण्डबिल और जरूरतमंदों को मास्क भी वितरित किया जाएगा।

अभियान का शुभारम्भ करती सांसद

कला शिक्षकों के नियुक्ति पत्र निर्गत करने की मांग

प्रयागराज। अटेवा पेंशन बचाओ मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ हरि प्रकाश यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने सचिव लोक सेवा आयोग से मिलकर राजकीय इण्टर कॉलेजों में चयनित 13 विषयों के शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया में से कला विषय के अहताधारी शिक्षकों को भी नियुक्ति पत्र निर्गत करने की मांग की। डॉ हरि प्रकाश यादव ने कहा जब अन्य विषयों के नियुक्ति पत्र जारी करने की प्रक्रिया गतिमान है तो कला विषय का नियुक्ति पत्र न निर्गत करना योग्य एवं अहताधारी शिक्षकों के साथ अन्याय है। इस मांग को लेकर प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि सभी योग्यताधारी शिक्षकों को नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाए जिससे चयनित शिक्षकों में व्याप्त निराशा से मुक्त होकर कालेजों में अपना योगदान दे सकें। प्रतिनिधि मण्डल में उपेंद्र वर्मा, सुधीर गुप्ता, अशोक कुमार कनौजिया, अरुण कुमार, नरेंद्र बहादुर सिंह, सुरेंद्र प्रताप सिंह, राकेश यादव, आशीष कुमार गुप्ता, हरिशंकर, दिनेश यादव, आदि लोग मौजूद रहे।

रेड ईगल डिवीजन ने अपना 82वॉ स्थापना दिवस मनाया

प्रयागराज। भारतीय सेना के चौथे रैपिड इन्फैन्ट्री डिवीजन, जिसे रेड ईगल डिवीजन के रूप में भी जाना जाता है, अपना 82वॉ स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाया।

यह जानकारी रक्षा मंत्रालय प्रयागराज के विंग कमांडर एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शैलेन्द्र पाण्डेय ने देते हुए बताया कि भारत के सबसे पुराने और सबसे सम्मानित रेड ईगल डिवीजन को मिस्त्र में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1939 में बनाया गया था। इस डिवीजन को विश्व युद्ध-2, 1962 के भारत-चीन युद्ध, 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध और 1971 में श्रीलंका में ऑपरेशन पवन और 1999 में ऑपरेशन विजय (कारगिल) में भाग लेने का असाधारण सम्मान प्राप्त है।

श्री पाण्डेय ने बताया कि समारोह की शुरूआत मेजर जनरल रवींद्र सिंह, एसएम और सभी अधिकारियों द्वारा युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि के साथ हुई। जिन्होंने देश की रक्षा करने वाले सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। समारोह का आयोजन कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करके किया गया।

शहीदों को श्रद्वांजलि देते हुए

पुरानी रंजिश को लेकर मारा पीट कर हाथ तोड़ा, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पुरानी रंजिश को लेकर पडोसी एक राय होकर मारे पीटे और हाथ तोड कर सामान क्षतिग्रस्त कर दिए।चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम घूरीपुर निवासी शिवसागर पुत्र रामसमुझ मिश्रा का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर पडोसी उसे और परिजनों को मारे पीटे तथा जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ तोड दिए। तथा सामानों को क्षतिग्रस्त कर दिए।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

उमरे मुख्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में 14 सितंबर से आयोजित राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत 28 सितंबर को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक महेन्द्र नाथ ओझा ने कहा कि हिंदी सदैव से ही गतिशील एवं ग्रहणशील भाषा रही है। भारत के संविधान में हिंदी को देश की सामासिक संस्कृति की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाने की परिकल्पना की गई है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का भी यही सपना था। इस परिकल्पना को साकार बनाने के लिए संविधान की अष्टम अनुसूची में शामिल सभी भारतीय भाषाओं के शब्दों और अभिव्यक्तियों को इसमें शामिल किया जाना चाहिए। मीर, गालिब, तुलसीदास जैसे महान रचनाकार इसी साझी भाषिक परंपरा के प्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी का निर्माण अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे इतिहास प्रवाह में हुआ है। अतः आधुनिक ज्ञान विज्ञान में हिंदी को बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बीच हमें इतिहास और वर्तमान दोनों से सीख लेनी चाहिए और सूझ-बूझ एवं तालमेल की भावना का परिचय देना चाहिए। इस क्रम में श्री ओझा ने कहा कि राजभाषा की संपूर्ण संवैधानिक एवं वैधानिक परंपरा में जिन पहलुओं पर विशेष बल दिया गया है, उनका अपना विशिष्ट महत्व है और उनमें निहित प्रवृत्तियों एवं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर राजभाषा का प्रयोग प्रसार बढ़ाया जाना चाहिए। श्री ओझा ने कर्मचारियों द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और उनसे अपील की कि हिंदी में शब्दावलियों पर निर्भरता कम कर-के बोलचाल और आमफहम के शब्दों का प्रयोग करना चाहिए। श्री ओझा ने बताया कि हिंदी को लेकर दक्षिण भारत के निवासियों के बारे में प्रचारित धारणाएं सही नहीं हैं और हिंदी फिल्मों, उनके संवाद और गीतों के कारण तमिलनाडु जैसे प्रांत में भी हिंदी काफी लोकप्रिय है और परिस्थितियाँ काफी बदली हैं। श्री ओझा ने कहा कि भाषांतर और रूपांतर की प्रक्रिया चुनौतीपूर्ण है और यह बहुत ही जिम्मेदारी का कार्य है। भाषांतर और भाषिक अनुप्रयोग कोई यांत्रिक प्रक्रिया नहीं है। इसमें संबंधित भाषाओं के ज्ञान की गहराई, अनुभूति, संवेदना तथा सौंदर्य चेतना की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महेन्द्र नाथ ओझा ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी चन्द्र भूषण पाण्डेय ने कर्मचारियों को राजभाषा की संवैधानिक एवं विधिक संरचना की जानकारी दी। राजभाषा अधिकारी श्री यथार्थ पाण्डेय ने सरकार की राजभाषा नीति और मीडिया में प्रयोग किए जा रहे नए शब्दों और उनके अभिप्राय की विस्तृत जानकारियां प्रदान की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यशाला को संबोधित करते उमरे अधिकारी

नयी शिक्षा नीति से विद्यार्थी की रचनात्मकता को विकसित करने का प्रयास : प्रो आनंद

प्रयागराज। अन्य भारतीय भाषाओं को भी हिन्दी भाषी के लिए सीखना जरूरी हो जाता है। यहां त्रिभाषा सूत्र और मातृभाषा के मह×व की बात उठायी जाती है। नयी शिक्षा नीति ने मातृभाषा में शिक्षा के मह×व को स्थापित करके विद्यार्थी की रचनात्मकता को विकसित करने का प्रयास किया है।

उक्त विचार ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज प्रयागराज के प्राचार्य प्रो. आनन्द शंकर सिंह ने सोमवार को आर्य कन्या डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में चल रहे हिन्दी पखवाड़े के समापन अवसर पर व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रयोग की दृष्टि से हिन्दी भारत में सबसे अधिक बोली जा रही है। भाषा की ताकत प्रयोगकर्ता होता है। अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष शासी निकाय, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज पंकज जायसवाल ने कहा कि मातृभाषा जन्म की भाषा होती है। बच्चा जो बचपन से सुनता-बोलता है, उसमें स्वयं को अच्छी तरह से अभिव्यक्त कर सकता है। नयी शिक्षा नीति में कहा गया है कि कक्षा 5 तक बच्चे की शिक्षा का माध्यम उसकी मातृभाषा होगी। यह एक युगान्तकारी कदम है। अतिथियों का स्वागत करते हुए प्राचार्या डॉ. रमा सिंह ने हिन्दी पखवाड़े की अवधि में सम्पन्न हुई प्रतियोगिताओं में सम्मिलित हुए प्रतिभागियों को बधाई दी। कहा कि नयी शिक्षा नीति में मातृभाषा को विशेष स्थान दिया गया है। यह निश्चित तौर पर देश की एकता और अखण्डता को बढ़ावा देगा। अपनी भाषा में विकास निश्चित है। इसलिए अपनी भाषा के साथ एक अन्य स्थानीय भाषा सीखना आवश्यक है।

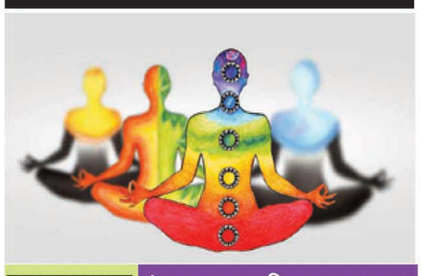

प्रयागराज मंगलवार, 29 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

VEGETARIAN DIET

The Natural Diet for Humans

Understanding Structure of Intestines

The digestive canal of man is 10 to 12 times the length of their body, like that of the frugivorous animal. In carnivorous animals, the length of the digestive canal is just 3 to 5 times the length of their body, which prevents the meat from staying too long and rotting in the digestive tract. In herbivorous animals, the length is much longer (20 to 28 times) which enables the proper digestion of the leafy foods that they intake.

Understanding Organs of Senses

When we observe the organs of sense, we find that the carnivorous animal finds great delight in seizing a prey and at the sight of blood from its prey. The herbivorous animal, however, is naturally attracted to grasses and other herbs for food and stays away from the sight of any blood. The senses of humans draw them naturally to fruits of trees and the fields of vegetables. Humans find the sight of fruits most attractive and mouth-watering. The sight of slaughter and killing is mostly unbearable to humans. In fact, if a person had to kill their own animal for their consumption, most would shy away, except for those who are professional butchers. The natural taste of meat is so unbearable to humans that they are only able to consume it after it is well flavoured with all types of seasoning and spices to deceive the senses.

With regards to the nourishment of the young, it is seen that the newborn of humans is first given the milk of the mother. To enable good production of milk, a mother has to consume fruits, grains and vegetables as her natural food.

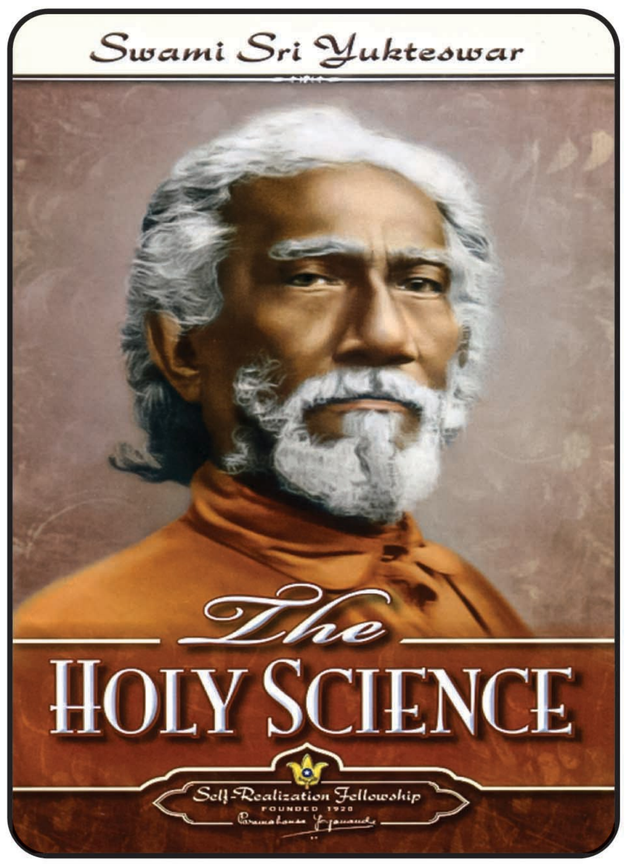

मनुष्य की नाक मांस के गंध को स्वीकार नहीं करती है

अगर कही पर मांस पड़ा है तो धीरे-धीरे उसमें सड़न व दुर्गन्ध आने लगती है। हमारी नाक उस गन्ध को स्वीकार नहीं करती है परन्तु मांसाहारी जानवरों को सड़े हुए मांस की गन्ध व स्वाद उसी तरह अच्छा लगता है जैसे हमें पके आम व पके फलों की गंध व स्वाद अच्छा लगता है। इससे यह स्वतः स्पष्ट होता है कि हमारी नाक व जिह्वा की प्रकृति मांसाहार के विपरीत है। मनुष्य मांस को तब तक नहीं खा सकता है जब तक उसे तेल मसाले में तल-भुन कर उसके स्वरूप को बदल न दिया जाय परन्तु वह फल, सब्जी, अन्न आदि को बिना उसका स्वरूप बदले प्राकृतिक रूप में पूर्ण स्वाद के साथ खा सकता है। मनुष्य को पड़ी हुई मांस देखकर मुँह में पानी नहीं आता है परन्तु अधिकांश मांसाहारी जानवरों को ऐसा मांस अत्यन्त स्वादिष्ट लगता है। मनुष्य को किसी भी जानवर को देखकर मुंह में पानी नहीं आता है और न ही अन्दर में यह विचार आता है कि उसको मारकर खा लें परन्तु पके फल, अन्न तथा स्वादिष्ट सब्जियों को देखकर तथा उसकी सुगंध को ग्रहण करके अवश्य मुँह में पानी आ जाता है और प्राकृतिक रूप में उसको खाने की इच्छा प्रकट होती है। इससे यह पुनः स्पष्ट होता है कि हमारी स्वाद इन्द्रिय अर्थात जिह्वा मांस के उपयुक्त नहीं है।

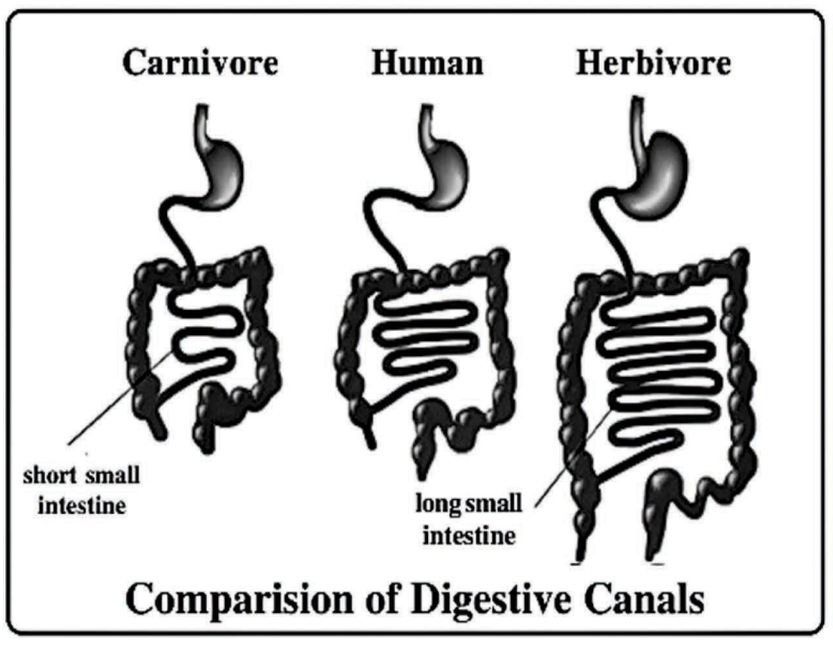

Comparision of Digestive Canals

आंतों के आकार व बनावट का निरीक्षण

मांसाहारी जन्तुओं की आंतों की लम्बाई उनके सिर व रीढ़ की लम्बाई से 3 से 5 गुना बड़ी होती है। फलाहारी जानवर बन्दर आदि के आंत की लम्बाई उनकी लम्बाई के 10 से 12 गुना बड़ी होती है। मनुष्य के आंत की लम्बाई भी उसके लम्बाई के 10 से 912 गुना बड़ी होती है। आंतों के आकार के निरीक्षण से भी यह सत्य प्रकट होता है कि मनुष्य स्वभावतः फल, अन्न आदि को खाने वाला प्राणी है। अधिकांशतः शाकाहारी खाने को तल-भुन कर तथा उसमें अत्यधिक तेल, मसाला का प्रयोग करके उसके प्राकृतिक स्वरूप को बदल कर खाने की परम्परा है। यह शाकाहारी खाने का विकृत स्वरूप है। इससे शरीर को सम्पूर्ण पोषण नहीं प्राप्त होता है। मांसाहारी जानवरों की छोटी आंत की कम लम्बाई अधपचे खाने की सड़न को रोकने के लिए है ।